मासिक ई-समाचार पत्रिका

डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय

पूसा, (समस्तीपुर) बिहार-848125

कुलपति महोदय का संदेश

डॉ. रमेश चन्द्र श्रीवास्तव
(कुलपति)

विश्वविद्यालय की मासिक समाचार पत्रिका में संदेश लिखना मेरे लिए हमेशा एक हर्ष का विषय रहा है, परन्तु अब जब मैं कुलपति के पद से सेवानिवृत हो रहा हूँ, तो किन विषयों और उपलब्धियों को इस अंक में समाहित करूँ यह सुनिश्चित कर पाना मेरे लिए थोड़ा कठिन हो रहा है।

मैं ने 22 जनवरी, 2016 को राजेंद्र कृषि विश्वविद्यालय (तब एक राज्य कृषि विश्वविद्यालय) के कुलपति के रूप में पद ग्रहण किया , तत्पश्चात जल्द ही 22 जून 2017 को डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के रूप में परिवर्तन के बाद भी पदासीन रहा। छह साल और पांच महीने का ये कार्यकाल मेरे जीवन का अद्भुत समय रहा है। इन सभी वर्षों के दौरान, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग, भा.कृ.अनु.प. और विश्वविद्यालय परिवार के समर्थन से, मैंने इस विश्वविद्यालय के सर्वांगीण विकास और इसकी गतिविधि के हर क्षेत्र में ,यथा शिक्षा, अनुसंधान, प्रसार तथा आधारभूत संरचना इन सभी में अपने पूर्ण मनोयोग से योगदान देने का प्रयत्न किया है। ये समस्त उपलब्धियां राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सराही गई एवं राष्ट्रीय पुरस्कारों,कृषि-उद्यमियों, भारत के 27 राज्यों से छात्रों का विश्वविद्यालय में प्रवेश तथा अनेक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के साथ हुए हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापनों के रूप में परिलक्षित हुई है ।

मेरे लिए व्यक्तिगत गर्व का क्षण रहा जब स्वच्छ ऊर्जा और पर्यावरण के मुद्दों से निपटने हेतु विश्वविद्यालय द्वारा अपशिष्ट प्रबंधन विषय के अंतर्गत विकसित "सुखेत मॉडल" की अवधारणा और कार्यान्वयन का उल्लेख भारत के माननीय प्रधान मंत्री के "मन की बात के 80 वें संस्करण" में 29 अगस्त 2021को किया और बाद में जब इंडिया पोस्ट द्वारा फरवरी, 2022 के महीने में सुखेत मॉडल पर फर्स्ट डे कवर और डाक टिकट जारी किया गया।

खंड -3, अंक -7
जुलाई, 2022

अब, जब मैं इस प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय के कुलपति के पद से सेवानिवृत हो रहा हूँ, विश्वविद्यालय को इसके उत्कर्ष पर देखकर मुझे हर्ष एवं गर्व की अनुभूति हो रही है।
मैं आगामी कुलपति, डॉ मीरा सिंह को शुभकामनाएं देता हूं और उम्मीद करता हूँ की वह विश्वविद्यालय की प्रगति और गौरव को और ऊँचे स्तर पर ले जाएँगी। इस सफल यात्रा में मेरे साथ रहे सभी लोगों के प्रति मैं अपना सम्मान प्रकट करता हूं तथा धन्यवाद् देता हूँ।

डॉ मीरा सिंह
(कुलपति)

मैं रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा के कुलपति का कार्यभार संभालने के पश्चात सम्मानित और गौरान्वित महसूस कर रही हूं। हालाँकि इस पद के लिए मेरी उपलब्ध अवधि (22 जून से 30 जून, 2022) बहुत कम रही लेकिन मैंने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों की निरंतरता बनाए रखने के लिए अनुकूल माहौल बनाने हेतु अपने स्तर पर पूरी कोशिश की। मैं इस यात्रा को सुगम और सफल बनाने के लिए सभी को धन्यवाद देती हूं।
मैं आगामी कुलपति डॉ. कृष्ण कुमार को शुभकामनाएं देती हूं। मुझे विश्वास है उनके कार्यकाल में यह विश्वविद्यालय सर्वांगीण विकास और सफलता की नई ऊंचाईयों को प्राप्त करेगा।

डॉ. कृष्ण कुमार
(कुलपति)

संरक्षक :

डॉ. रमेश चन्द्र श्रीवास्तव
(कुलपति)

संकलन एवं संपादन :

डॉ. (राकेश मणि शर्मा,
पी. कु. प्रणव,
एम.एल. मीणा
कुमारी सपना
आशीष कु.पंडा
सुधा नंदनी
गुप्तनाथ त्रिवेदी)

तकनीकी सहयोग:
मनीष कुमार

मुद्रण:

प्रकाशन प्रभाग,
डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय
कृषि विश्वविद्यालय, पूसा

संपर्क: www.rpcau.ac.in

publicationdivision@rpcau.ac.in

कुलपति महोदय की संलग्नता (डॉ. रमेश चन्द्र श्रीवास्तव) 21-06-2022 तक

- दिनांक 01.06.2022 को जैव-विविधता पार्क, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा के उद्घाटन में भाग लिया।
- दिनांक 04.06.2022 को रा.प्र.के.कृ.वि. और अन्य संगठनों के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर समारोह में भाग लिया।
- दिनांक 07.06.2022 को वर्चुअल मोड में विजिटर सम्मेलन 2022 में भाग लिया।
- दिनांक 12.06.2022 को गोरिगामा, ब्लॉक-सरैया, मुजफ्फरपुर में फसल अवशेष आधारित नैनो उद्योग (मशरूम उत्पादन प्रौद्योगिकी) की अवधारणा का उद्घाटन किया।
- दिनांक 14.06.2022 को रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा की वित्त समिति की 9वीं बैठक की अध्यक्षता की।
- दिनांक 16.06.2022 को आधार विज्ञानं एवं मानविकी महाविद्यालय के सम्मेलन हॉल में स्पिरुलिना उत्पादन प्रौद्योगिकी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया।
- दिनांक 18.06.2022 को रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा की प्रसार शिक्षा परिषद की बैठक की अध्यक्षता किया।
- दिनांक 21.06.2022 को सचिव, कृषि, बिहार सरकार की अध्यक्षता में बिहार में मुख्य स्ट्रीमिंग क्लाइमेट स्मार्ट विलेज के माध्यम से स्केलिंग अप क्लाइमेट स्मार्ट एग्रीकल्चर (सीएसए) की परियोजना के तहत संचालन समिति की बैठक में भाग लिया।
- दिनांक 21.06.2022 को रा.प्र.के.कृ.वि, पूसा में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2022 में भाग लिया।

कुलपति महोदया की संलग्नता (डॉ मीरा सिंह) 30-06-2022 तक

- दिनांक 27.06.2022 को विद्यापति सभागार, रा.प्र.के.कृ.वि,, पूसा में "कृषि उद्यमिता के लिए प्रायोगिक शिक्षा पर अभिविन्यास कार्यक्रम" का उद्घाटन किया।
- दिनांक 28.06.2022 को पंचतंत्र हॉल, रा.प्र.के.कृ.वि, पूसा में मशरूम प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया।
- दिनांक 28.06.2022 को विद्यापति सभागार, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा में प्रायोगिक शिक्षा पर कार्यशाला के समापन सत्र की अध्यक्षता की और कार्यशाला के प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किया।
- दिनांक 29.06.2022 को रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा के शिक्षा परिषद के बैठक की अध्यक्षता किया।

शैक्षणिक गतिविधियाँ

- **कृषि अभियांत्रिकी एवं तकनिकी महाविद्यालय** ने एग्रीवेयर हाउस मैनेजमेंट में पीजी डिप्लोमा प्रोग्राम के दो छात्रों श्री उत्पलकांत चौधरी और श्री सुमित कुमार जिन्होंने "एग्रीटेरिया फार्मर्स प्रोड्यूसर्स कंपनी" नाम से अपना स्टार्ट-अप उद्यम शुरू किया है को तकनीकी सहायता प्रदान की।
- **अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून, 2022 को मनाया गया।** इस वर्ष के योग दिवस का विषय 'मानवता के लिए योग' था। विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों और छात्रों ने भाग लिया।
- **"कृषि-उद्यमिता के लिए अनुभवात्मक शिक्षा" पर उन्मुखीकरण कार्यशाला**

डॉ. मीरा सिंह, माननीय कुलपति, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा की अध्यक्षता में विद्यापति सभागार में 27-28 जून 2022 के दौरान योजना निदेशालय, द्वारा "कृषि-उद्यमिता के लिए अनुभवात्मक शिक्षा" पर दो दिवसीय अभिविन्यास कार्यशाला का आयोजन किया गया । कार्यक्रम का उद्देश्य स्नातक के छात्रो को पुन: उन्मुख करने के साथ वास्तविक जीवन में व्यावहारिक कार्य अनुभव के माध्यम से रोजगार के अवसरों, उद्यमिता कौशल विकास, आत्मविश्वास निर्माण और ज्ञान अद्यतन को बढ़ावा देना था। अभिविन्यास कार्यशाला में कुल तीन सौ आठ (308) प्रतिभागियों में 25 प्रशासनिक कर्मचारी, 150 संकाय सदस्य, 3 महाविद्यालयों के 98 छात्र (क्रमशः टी.कृ.महा. ढोली, मत्स्यकी महाविद्यालय ढोली और पंडित दीं दयाल उपाध्याय उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, पिपराकोठी और 35 तकनीकी स्टाफ सदस्य शामिल थे। कृषि-उद्यमिता के लिए छात्र समुदाय ने कुल 15 नवाचार विचार प्रस्तुत किये।

अनुसन्धान गतिविधियाँ

- **पूसा परिसर में विकसित जैव विविधता पार्क** का उद्घाटन दिनांक 01-06-2022 को श्री संतोष कुमार मल्ल, प्रमुख सचिव, पर्यटन विभाग, बिहार सरकार द्वारा डॉ. आर.सी. श्रीवास्तव, माननीय "कुलपति, , रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा, और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्तिथि में किया गया।
- **फील्ड-डे आयोजित**

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना द्वारा प्रायोजित हाइब्रिड चावल पर परियोजना, दिनांक 04 जून 2022 को निदेशक अनुसंधान, रा.प्र.के.कृ.वि. पूसा की उपस्थिति में एक प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। हाइब्रिड पैरेंटल लाइन रखरखाव प्लॉट का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर अधिष्ठाता, महाविद्यालय ढोली, सह-निदेशक, अनुसंधान 1 एवं 2 , निदेशक बीज एवं फार्म सहित प्रमुख अन्वेषक एवं अन्य वैज्ञानिक उपस्थित थे।

- **रा.प्र.के.कृ.वि. पूसा ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर**

रा.प्र.के.कृ.वि. पूसा ने 04-06-2022 को 'मैसर्स' देववती जैविक उद्यान, मुजफ्फरपुर के साथ जैविक खेती, 'मैसर्स' डोके टी एंड एग्रो, पोठिया (बिहार) के साथ चाय और कृषि पर्यटन विकास और 'मैसर्स' किस्तुनार जानकी प्रा. लिमिटेड पटना' के साथ केले फाइबर आधारित सैनिटरी पैड के लिए 3 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए।

- **सब्जियों की फसलों पर भा.कृ.अनु.प.-अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की 40वीं वार्षिक समूह बैठक में वैज्ञानिकों ने भाग लिया**

सब्जियों की फसलों पर भा.कृ.अनु.प.-अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की 40वीं वार्षिक समूह बैठक में वैज्ञानिकों ने भाग लिया। प्रधान अन्वेषक ने संबद्ध वैज्ञानिक और तकनीकी कर्मचारियों के साथ भाकृअनुप-भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी द्वारा आयोजित सब्जी फसलों पर भाकृअनुप-अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की 40वीं वार्षिक समूह बैठक में पूसा केंद्र के शोध पर प्रकाश डाला। यह आयोजन 15 से 17 जून, 2022 तक आयोजित किया गया और इसकी अध्यक्षता उप महानिदेशक (बागवानी विज्ञान), भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली ने वर्चुअल मोड में किया।

ओ.ऍफ़.टी. आयोजित

समस्तीपुर जिले के उजियारपुर प्रखंड के रामपुर समथू, देसुआ एवं मुरियारो में ऑन-फार्म प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हाइब्रिड धान बीज उत्पादन पर पहला एफपीओ (किसान उत्पादन संगठन) बनाने की भी पहल की गई। इस अवसर पर हाइब्रिड धान बीज उत्पादन परियोजना के प्रमुख अन्वेषक श्री दीपक कुमार,वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी (कृषि) समस्तीपुर, श्री अमरदीप कुमार, निदेशक, मोरंग देश फाउंडेशन (एनजीओ) सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति और किसान उपस्थित थे।

प्रसार गतिविधियाँ

किसान गोष्ठी सह फील्ड प्रदर्शन आयोजित

एफ.आई.एम. पर भा.कृ.अनु.प.-अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना ने कल्याणपुर के तारा गांव में "हाथ से संचालित भिंडी तोड़ने वाले औजारों का उपयोग" विषय पर किसान गोष्ठी का आयोजन किया। किसान गोष्ठी में 75 किसानों ने भाग लिया। समस्तीपुर जिले के विभिन्न गांवों में लेजर लेवलर एवं डी.एस.आर. तकनीक पर एफ.एल.डी. का भी आयोजन किया गया।

कृषि विज्ञान केंद्र, तुर्की ने दिनांक 05-06-2022 को विश्व पर्यावरण दिवस और 21.06.2022 को कृषि विज्ञानं केंद्र परिसर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया। दोनों स्पर्धाओं में कुल 54 प्रतिभागियों ने भाग लिया। पेड़ बचाने और फसल उत्पादन के लिए पर्यावरण के अनुकूल कृषि प्रौद्योगिकी का उपयोग विश्व पर्यावरण दिवस का मुख्य आकर्षण रहा।

कृषि विज्ञान केंद्र, शिवहर में दिनांक 9 जून, 2022 को चार वैज्ञानिकों ने शिवहर के सुंदरपुर, सलेमपुर, कुशहर और चामापुर गांवों में प्रगतिशील महिला किसानों के खेतों का दौरा किया। पांच प्रगतिशील महिला किसानों को मशरूम की खेती, बकरी और डेयरी फार्मिंग, वर्मीकम्पोस्टिंग, सब्जियां और फूल उगाने आदि के माध्यम से किसानों की आय दोगुनी करने हेतु प्रशिक्षित किया गया। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों ने उन्हें कृषि और संबंधित गतिविधियों के माध्यम से अपनी आय बढ़ाने के लिए सर्वोत्तम अभ्यास के लिए सलाह दी।

दिनांक 12-06-2022 को माननीय कुलपति डॉ. आर.सी. श्रीवास्तव के साथ डॉ. एम.एस. कुंडू निदेशक प्रसार शिक्षा द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र, तुर्की के फार्म और विभिन्न इकाइयों का दौरा किया गया।

दिनांक 18 जून 2022 को पिछले वर्ष की प्रसार गतिविधि के प्रगति की समीक्षा करने और आगामी वर्ष के लिए तकनीकी कार्यक्रम को अंतिम रूप देने के लिए विश्वविद्यालय की छठी प्रसार परिषद की बैठक आयोजित की गई।

कृषि विज्ञान केंद्र, तुर्की ने दिनांक 04-06-2022 से 18-06-2022 के दौरान 40 इनपुट डीलरों के लिए 15 दिनों के आई.एन.एम. प्रशिक्षण के तीसरे बैच के प्रशिक्षणार्थियों के लिए प्रशिक्षण का आयोजन किया। मुख्य अतिथि डॉ. एम.एस. कुंडू, निदेशक प्रसार शिक्षा ने उर्वरकों के संतुलित उपयोग और जैविक खेती के बारे में प्रशिक्षणार्थियों के साथ विस्तार से चर्चा किया।

कृषि विज्ञान केंद्र, वैशाली ने दिनांक 21-06-2022 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस और उर्वरकों के संतुलित उपयोग पर जागरूकता के विषय पर "आजादी का अमृत महोत्सव के तहत राष्ट्रीय अभियान" का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में कुल 55 किसानों ने भाग लिया।

कृषि विज्ञान केंद्र, शिवहर ने दिनांक 23-06-2022 को शिवहर के सुंदरपुर और सलेमपुर गांवों में "महिला किसानों के बीच मिल्की मशरूम स्पॉन का वितरण" पर एक एफएलडी कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में 25 किसानों ने भाग लिया और मशरूम की खेती के लिए सामग्री प्राप्त की, जिसमें मिल्की मशरूम स्पॉन, एक पॉलिथीन बैग, एक रबर बैंड, फॉर्मेलिन और बेविस्टिन रसायन शामिल हैं।

➢ **कृषि विज्ञान केंद्र, नरकटियागंज ने** "डेयरी नेट जीरो" विषय पर किसान-गोष्ठी का आयोजन कर "विश्व दुग्ध दिवस" मनाया। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक और विषय वस्तु विशेषज्ञो द्वारा कुल 45 किसानों को डेयरी अपशिस्ट के उचित प्रबंधन और कृषि क्षेत्रों पर उनके अनुप्रयोग के बारे में जागरूक किया गया।

➢ **कृषि विज्ञान केंद्र नरकटियागंज** ने चावल- गेहूं बीजक का प्रदर्शन किया और गौनाहा प्रखंड के धरमपुर गांव के किसानों को चेलेटेड जिंक वितरित किया। एफएलडी कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य चावल की सीधी बुवाई के लिए किसानों को प्रशिक्षित करने और चावल की खेती में उत्पादन लागत और समय को कम करने के लिए बड़े पैमाने पर प्रौद्योगिकी को अपनाने के लिए प्रेरित करने के लिए चावल गेहूं बीजक के उपयोग पर आधारित था।

अवार्ड, खेल एवं अन्य गतिविधियाँ

➢ **"सुखेत मॉडल" को इंडिया यूनिवर्सिटीज एंड इंस्टीट्यूशंस नेटवर्क फॉर डिजास्टर रिस्क रिडक्शन-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजास्टर मैनेजमेंट** द्वारा दूसरा पुरस्कार मिला। आपदा जोखिम प्रबंधन में कमी में महिलाओं की भूमिका के संबंध में विश्वविद्यालयों और संस्थानों की नियमो का आकलन करने के लिए इंडिया यूनिवर्सिटीज एंड इंस्टीट्यूशंस नेटवर्क फॉर डिजास्टर रिस्क रिडक्शन-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजास्टर मैनेजमेंट द्वारा एक अभिनव मंच बनाया गया था। आपदा जोखिम न्यूनीकरण, "आपदा जोखिम प्रबंधन में महिलाओं की भूमिका" पर माननीय प्रधान मंत्री के 10 बिंदुओं के एजेंडा नंबर 3 पर संग्रह के तहत पूरे भारत से प्रविष्टियां आमंत्रित किया गया था । सेंटर ऑफ एडवांस्ड स्टडीज ऑन क्लाइमेट चेंज, रा.प्र.के.कृ.वि. पूसा के डॉ. रत्नेश कुमार झा के नेतृत्व में वैज्ञानिकों की एक टीम को संग्रह के तहत दूसरे स्थान से सम्मानित किया गया। प्रशंसा के प्रतीक में एक प्रमाण पत्र, पट्टिका और 25,000/- रुपये की राशि शामिल है। टीम के सदस्यों में डॉ. शंकर झा, डॉ. एम.सी. मन्ना, सुश्री रूपश्री सेनापति, डॉ सुधीर दास, डॉ सर्वेश, श्री बिपुल कु झा, और श्री आशुतोष यादव शामिल है।

➢ **डॉ अंबरीश कुमार, अधिष्ठाता, कृषि अभियांत्रिकी एवं तकनिकी महाविद्यालय** ने अंतरराष्ट्रीय बांस और रतन संगठन (आई.एन.बी.एआर) की वित्तीय सहायता के तहत क्रमशः 21-27 मई 2022 और 30 मई-12 जून 2022 तक केन्या (अफ्रीका) और इक्वाडोर (दक्षिण अमेरिका) का दौरा किया और 'दोनों देशों के वरिष्ठ स्तर के अधिकारियों के लिए 'बैंबू एलोमेट्री एनवायर्नमेंटल मैट्रिसेस - हाइड्रोलॉजिकल एंड सेडिमेंट मॉनिटरिंग' पर लघु पाठ्यक्रम आयोजित किए। डॉ. कुमार ने 6 जून 2022 को अंतर्राष्ट्रीय बांस और रतन द्वारा आयोजित केंद्रीय विश्वविद्यालय, क्विटो (इक्वाडोर) में बांस पारिस्थितिकी तंत्र संकेतकों पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'लैंडस्केप प्रबंधन परियोजना की निगरानी और प्रभाव मूल्यांकन: ए केस स्टडी' पर बतौर मुख्य वक्ता प्रस्तुति भी दिए।

➢ **रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा, समस्तीपुर** के कृषि विज्ञान केंद्रों, तुर्की, जाले, लादा , सरैया और बेगूसराय के नवनियुक्त वरिष्ठ वैज्ञानिक और प्रमुखों ने भा.कृ.अनु.प.- राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंध अकादमी, हैदराबाद द्वारा दिनांक 15-29 जून 2022 तक 15 दिनों के प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमडीपी) प्रशिक्षण कार्यक्रम के पहले चरण में भाग लिया।

वैज्ञानिक हिंदी अनुवाद - गुप्तनाथ त्रिवेदी एवं डॉ. राकेश मणि शर्मा